om 3 delhi final_Page 1 and 2 25/04/2015 18:28 Page 12

सामूहिक योग से बनाते हैं वातावरण

अशुद्ध वातावरण को शुद्ध बनाने का एक अनोखा प्रयास

दिल्ली-दिलशाद गार्डेन। यमुना के कण्ठे पर बसी दिल्ली सभी को हमारी अति प्राचीन संस्कृति की ओर ले जाने का एक अनुपम प्रयास कर रही है। ब्रह्माकुमारीज़ की दिल्ली की शाखाओं द्वारा प्रत्येक मास सेवाकेन्द्रों पर आने वाले भाई-बहनों द्वारा संगठित रूप से योग का कार्यक्रम किसी एक विशेष स्थान ''गार्डन'' में रखा जाता है। इसमें सभी लोग सुबह 5:30 बजे से बैठकर दो घण्टे संगठित रूप से पूरे विश्व को शुभ वृत्ति और शुभ भावनाओं की सकाश देते हैं। इस संगठित योग का उद्देश्य ही है आज के तमोगुणी वातावरण को बदलकर शुद्ध व शक्तिशाली बनाना और यह अकेले नहीं हो सकता। इसके लिए पवित्र योगी भाई-बहनें परमात्मा की याद में एक साथ बैठकर पूरे विश्व को एक तरह की तरंगें प्रेषित करते हैं।

हर मास यह कार्यक्रम महीने के अन्त में अवकाश के दिन शनिवार या रविवार को रखा जाता है ताकि भाई-बहनों को विशेष रूप से अपने दफ्तर आदि की छुट्टी ना करनी पड़े। योग करने के पश्चात् वहीं पर परमात्मा के महावक्य सुनाये जाने के पश्चात् प्रसाद वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न होता है। सभी भाई बहनें बड़ी उमंग उत्साह से इस योग भट्ठी का हिस्सा बनते हैं।

फरीदाबाद। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उमेश कालरा, ब्र.कु. बलराम तथा अन्य।

सुंदर भविष्य हेतु, बनाएं अच्छी सोच का सेतु

फरीदाबाद। हमें जीवन में छोटी-छोटी बातों में अपनी ऊर्जा अधिक नहीं खर्च करनी चाहिए और ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाना चाहिए। अपनी दिनचर्या को भी सेट करना चाहिए ताकि समय पर सारे काम हो सके और तनाव भी कम हो सके। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा इम्पीरियल ऑटो लि. में इंजीनियर्स के लिए आयोजित 'स्ट्रेस मैनेजमेंट' कार्यक्रम में मुम्बई से आये ब्र.कु. बलराम ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि क्रोध से तनाव बढ़ता है, इसलिए रोज़ राजयोग के अभ्यास द्वारा शांति में रहने का अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने सभी को आत्मानुभूति और परमात्मानुभूति भी कराई।

मानव रचना इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में कार्यक्रम का आयोजन

मानव रचना इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में फैकल्टी मेम्बर्स तथा विद्यार्थियों के लिए 'लाइफ स्किल्स'' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ब्र.कु. बलराम ने जीवन के बारे में गहराई से बताते हुए कहा कि जीवन का निर्माण हम स्वयं करते हैं और हम ही अपने जीवन के भाग्य निर्माता होते हैं।

उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन को व्यर्थ बातों में नष्ट नहीं करना चाहिए। इस उम्र में समय को सही तरह से उपयोग कर अपना भविष्य बनाना चाहिए। उन्होंने आकर्षण के सिद्धान्त के बारे में बताया कि जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही हम आकर्षित करते हैं और जीवन में वैसा ही प्राप्त करते हैं। इसलिए नकारात्मक सोच से परिस्थितियाँ भी तनाव से भर जाती हैं, इसलिए सुंदर भविष्य के लिए सकारात्मक सोच का होना अति आवश्यक है। इस कार्यक्रम में लगभग 500 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उमेश कालरा,डीन,फैकल्टी ऑफ कॉमर्स एंड फैकल्टी मीडिया स्ट्डीज़ भी उपस्थित थे जिन्होंने मेडिटेशन को सभी के लिए अति आवश्यक बताया।

जीवन का मुख्य उद्देश्य दुआएं कमाने में है

-ब्र.कु. शिवानी

ओ.आर.सी.-गुड़गांव। हम सब समाज का नेतृत्व कर रहे हैं। अगर समाज में कुछ गलत होता है तो हम सबको मिलकर उसे ठीक करना है। आज बच्चे भावनात्मक रूप से कमज़ोर होते जा रहे हैं, जल्दी तनाव में आ जाते हैं। वो कौन सी बातें हैं जो उनको कमज़ोर कर रही हैं? हम सिर्फ आँकड़ों की तरफ ध्यान देते हैं, ज़रूरत है उन कारणों को जानकर उन्हें दूर करने की, जिनसे छोटी-सी उम्र में बच्चों में तनाव शुरु हो जाता है। उक्त विचार ब्र.कु. शिवानी ने ओ.आर.सी. में 'फ्यूचर ऑफ जनरेशन डायलॉग फॉर लीडर्स' कार्यक्रम में कर्म की गुह्यता विषय पर व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि जीवन में मानव का असली धेय सिर्फ दुआएं कमाना होना चाहिए। जो धन कमाता है, वो ज़रूरी नहीं है कि दुआएं कमाता हो, लेकिन जो दुआएं कमाता है वो अपनी क्षमता से भी अधिक धन कमाता है। आज हमें देखना है कि जो धन कमाकर हम घर पर लाते हैं, क्या उसमें दुआएं जमा हैं। कोई हमें कुछ भी दे, लेकिन हमारे से हरेक के प्रति सदा सकारात्मक ऊर्जा ही निकलनी चाहिए।

संस्था के मुख्य सचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने अपने सम्बोधन में कहा कि संसार की प्रत्येक वस्तु अपने लिए नहीं है, सदैव दूसरों के लिए बनी है, इसी प्रकार हमारे जीवन का महत्व भी तभी है जब हम दूसरों के काम आते हैं। जीवन का सच्चा आनंद देने में है। ब्र.कु. डेनिस,माउण्ट आबू ने सभी को राजयोग की गहन अनुभूति कराई। उन्होंने कहा कि आज चाहे भौतिक रूप से हम उन्नति करते जा रहे हैं लेकिन जीवन में निरंतर नैतिकता का पतन ही हो रहा है। राजयोग के द्वारा ही स्वयं को व समाज को सशक्त बना सकते हैं। ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया। ब्र.कु. डॉ. निर्मला,माउण्ट आबू ने अपने आशीर्वचन में कहा कि आज अच्छी बातें तो हम सुनते ही रहते हैं, लेकिन जीवन में उनका प्रभाव नहीं पड़ता। हमें एक अच्छे वातावरण की ज़रूरत है जहां पर उन विचारों को हम महसूस कर सकें। कार्यक्रम का संचालन ओ.आर.सी. की ब्र.कु. हुसैन ने किया।

इस कार्यक्रम में नेपाल के राजदूत कृष्णा प्रसाद, दिल्ली एवं चण्डीगढ़ के चुनाव आयुक्त राकेश मेहता, हैदराबाद के पूर्व न्यायाधीश वी.ईश्वरैय्या, माइक्रोसॉफ्ट के हेड ऑफ डिपार्टमेंट योगेश कोचर, एचसीएल के सी.ई.ओ. विनीत नायर, अन्य कम्पनीज़ के डायरेक्टर्स एवं एक्ज़ीक्यूटिव्स सहित 200 से भी अधिक लोगों ने भाग लिया।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th Feb 2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।